JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षा और रोजगार एक सामाजिक आकलन

डॉ. जया कैथवास
सहायक प्राध्यापक(वाणिज्य)
शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सिवनी मालवा , नर्मदापुरम, मध्य- प्रदेश

शोध का सारांश-

शोध का उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझने और सामाजिक आकलन कर इसके महत्व को निर्धारित करना है। शिक्षा और रोजगार के बीच गहरा संबंध है जो व्यक्ति को अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग करने और अपने जीवन को बेहतर करने का अवसर प्रदान करता है । शिक्षा व्यक्ति को रोजगार के अवसर प्रदान करती है और उसके जीवन को बेहतर बनाती हैं। शिक्षा व्यक्ति को रोजगार के अवसर की उपलब्धता प्रदान करती है। इसके अलावा सामाजिक प्रकृति ,व्यक्तिगत विकास ,आर्थिक विकास आदि में सहायक हैं ।

इस शोध पत्र में शिक्षा का उद्देश्य, रोजगार की आवश्यकता, शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध, तथा सामाजिक प्रगति ,व्यक्तिगत विकास और आर्थिक विकास पर विचार किया गया है।

प्रस्तावना-

शिक्षा और रोजगार दो ऐसे महत्वपूर्ण पहलू हैं जो व्यक्ति के जीवन और समाज की प्रगति को निर्धारित करते हैं। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और मूल्यों को निर्धारित करती है, जबकि रोजगार व्यक्ति को आर्थिक स्थिरता और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करता है। इस शोध पत्र में, हम शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझने और सामाजिक आकलन में इसके महत्व को निर्धारित करने का तथा निम्न शोध प्रश्न को जानने प्रयास करेंगे-

1. शिक्षा और रोजगार के बीच क्या संबंध है?

2. शिक्षा की गुणवत्ता रोजगार के अवसरों को कैसे प्रभावित करती है?

3. रोजगार के अवसर व्यक्तिगत विकास को कैसे प्रभावित करते हैं?

शोध का उद्देश्य-

इस शोध का उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझना और सामाजिक आकलन में इसके महत्व को निर्धारित करना है। हम शिक्षा की गुणवत्ता, रोजगार के अवसरों और व्यक्तिगत विकास के बीच संबंध को समझने का प्रयास करेंगे-

- शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझना: शोध का उद्देश्य शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझना है, जिसमें यह देखा जाता है कि शिक्षा कैसे रोजगार के अवसरों को प्रभावित करती है और रोजगार कैसे व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है।
- सामाजिक आकलन में महत्व को निर्धारित करना: शोध का उद्देश्य सामाजिक आकलन में शिक्षा और रोजगार के महत्व को निर्धारित करना है, जिसमें यह देखा जाता है कि शिक्षा और रोजगार कैसे समाज की प्रगति और विकास को प्रभावित करते हैं।
- नीति निर्माण में मदद करना: शोध का उद्देश्य नीति निर्माताओं को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नीतियों को बनाने और सुधारने में मदद करना है, जिससे समाज की प्रगति और विकास को बढ़ावा मिल सके।
- व्यक्तिगत विकास को समझना: शोध का उद्देश्य व्यक्तिगत विकास को समझना है, जिसमें यह देखा जाता है कि शिक्षा और रोजगार कैसे व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं और उसके विकास में योगदान करते हैं।

शोध का महत्व-

यह शोध शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध को समझने और सामाजिक आकलन में इसके महत्व को निर्धारित करने में मदद करेगा। इससे नीति निर्माताओं और शिक्षकों को शिक्षा प्रणाली में सुधार करने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

शिक्षा और रोजगार एक सामाजिक आकलन का महत्वपूर्ण पहलू है, जो समाज की प्रगति और विकास को दर्शाता है।

शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध-

- शिक्षा का उद्देश्य: शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से लैस करना है, जिससे वह समाज में योगदान कर सके और अपना जीवन बेहतर बना सके।
- रोजगार की आवश्यकता: रोजगार व्यक्ति को आर्थिक स्थिरता और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करता है, जिससे वह अपने जीवन को सुरक्षित और सुखी बना सकता है।
- शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध: शिक्षा और रोजगार के बीच एक गहरा संबंध है, जिससे शिक्षा व्यक्ति को रोजगार के अवसर प्रदान करती है और रोजगार व्यक्ति को अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग करने का अवसर देता है।

शिक्षा और रोजगार का महत्व-

- सामाजिक प्रगति: शिक्षा और रोजगार सामाजिक प्रगति के महत्वपूर्ण संकेतक हैं, जो समाज की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को दर्शाते हैं।
- व्यक्तिगत विकास: शिक्षा और रोजगार व्यक्तिगत विकास के महत्वपूर्ण पहलू हैं, जो व्यक्ति को अपने कौशल और ज्ञान का विकास करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं।
- आर्थिक विकास: शिक्षा और रोजगार आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण चालक हैं, जो समाज की आर्थिक स्थिति को सुधारते हैं और व्यक्ति को आर्थिक स्थिरता प्रदान करते हैं।

वर्तमान में शिक्षा और रोजगार का सामाजिक आकलन एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई चुनौतियाँ और समस्याएं शामिल हैं-

शिक्षा की चुनौतियाँ-

- शिक्षा में असंतुलित वृद्धि के कारण बड़ी संख्या में तैयार हो रहे इंजीनियरों को उचित रोजगार नहीं मिल पा रहा है, जबकि अनेक आवश्यक कार्यों के लिए प्रशिक्षित व्यक्ति उपलब्ध नहीं हैं।
- कला और संस्कृति को जानने, पढ़ने या अपने जीवन का उद्देश्य बनाने का साहस कर पाना सहज नहीं है, क्योंकि महत्वपूर्ण यह नहीं है कि आप क्या चाहते हैं, महत्वपूर्ण यह है कि आप ऐसा क्या करें कि जिससे शीघ्रातिशीघ्र आप को रोजगार मिल सके।
- वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने युवाओं को भ्रमित कर दिया है और संपूर्ण समाज ऐसे 'कल्पनाओं' के ढेर पर बैठ गया है, जिसे दूर करना सहज नहीं है।

रोजगार की चुनौतियाँ-

- देश के युवाओं के सामने रोजगार प्राप्त करना सबसे बड़ी चुनौती है।
- आज की शिक्षा व्यवस्था युवाओं की प्रतिभाओं को पहचानने में सक्षम नहीं है, और किताबी ज्ञान पर आधारित डिग्रियों की लंबी फेहरिस्त के बीच देश के युवाओं में उस स्तर की प्रतिभा का अभाव है जितनी संबंधित नौकरियों के लिए चाहिए।
- सूचना प्रौद्योगिकी और विज्ञान पारिस्थितिक तंत्र में रोजगार ढूंढते युवाओं में प्रतिभाओं की भारी कमी है।

समाधान-

- शिक्षा की गुणवत्ता: शिक्षा की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिसे सुधारने के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार करना होगा।
- रोजगार के अवसर: रोजगार के अवसरों की कमी एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिसे दूर करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा।

- कौशल विकास: कौशल विकास एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करनी होगी।
- युवाओं को हुनर सिखाने और उनकी सोच बदलने की कोशिश करनी चाहिए।
- स्वभाव के अनुरूप कार्य का चयन करने से पूरी क्षमता व संभावना का विकास हो सकता है।
- सरकारी और सहकारी क्षेत्र में नए नए उद्यमों के विकास द्वारा रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा किए जा सकते हैं।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा।

निष्कर्ष-

शिक्षा और रोजगार एक सामाजिक आकलन का महत्वपूर्ण पहलू है, जो समाज की प्रगति और विकास को दर्शाता है। शिक्षा और रोजगार के बीच एक गहरा संबंध है, जो व्यक्ति को अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करता है। चुनौतियों का सामना करने और समाधान खोजने से हम शिक्षा और रोजगार के महत्व को बढ़ावा दे सकते हैं और समाज की प्रगति और विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं।

संदर्भ-

1. "शिक्षा और रोजगार" - डॉ. राम शरण शर्मा
2. "सामाजिक आकलन और शिक्षा" - प्रो. विजय कुमार सिंह
3. "रोजगार और आर्थिक विकास" - डॉ. सुरेश चंद्र गुप्ता
4. "रोजगार और आर्थिक विकास पर रिपोर्ट" - विश्व बैंक की वेबसाइट